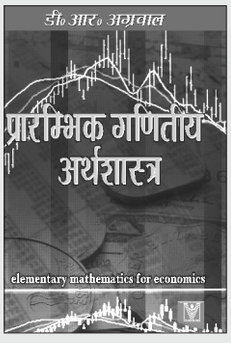

Ist Edition
Reprint 2013
ISBN 81-87125-89-6
Price ₹ 350/-
paperback
Size 18×24cm
668 Pages

प्रारम्भिक गणितीय अर्थशास्त्र

डी. आर. अग्रवाल

यह पुस्तक अंग्रेजी संस्करण Elementary Mathematics For Economics का हिन्दी अनुवाद है।

विषय सूची

आधारभूत तथ्य ० विश्लेषणात्मक ज्यामिति ० रेखीय एवं वर्गात्मक समीकरण ० अनुपात, विचरण एवं वृद्धि ० लघुगुणक ० त्रिकोणमिति ० गणितीय तथा ज्यामितिक श्रेणी ० फलन और लेखाचित्रीय प्रदर्शन ० सीमा तथा सातत्य ० अवकलज ० अवकलन का आर्थिक सिद्धांत में अनुप्रयोग ० प्रथम और उच्चकोटि के अवकलज-उच्चतम और न्यूनतम और आर्थिक अनुप्रयोग ० आंशिक अवकलन ० आंशिक अवकलन और कुल अवकलन ० समाकलन ० सारणिक एवं मैट्रिक्स ० आगत-निर्गत विश्लेषण ० अवकल समीकरण ० अन्तर समीकरण ० तालिका।

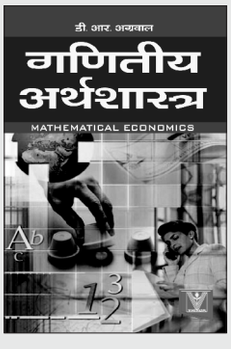

Ist Edition
Reprint 2013
ISBN 978-81-8281-063-9
Price ₹ 350/-
paperback
Size 14×22cm
900 Pages

गणितीय अर्थशास्त्र

डी. आर. अग्रवाल

यह पुस्तक अंग्रेजी संस्करण Quantitative Methods के Mathematics भाग का हिन्दी अनुवाद है।

विषय सूची

० आधारभूत गणित —(क) आधार भूत तथ्य; (ख) विश्लेषणात्मक ज्यामिति (ग) रेखीय एवं वर्गात्मक समीकरण (घ) अनुपात विचरण एवं वृद्धि (ङ) लघुगुणक (च) त्रिकोणोमीति का प्रारम्भिक ज्ञात (छ) गणितिय तथा ज्यामितिक श्रेणी। ० फलनों का धारणाएं तथा फलनों के प्रकार ० सीमा तथा सातत्य ० अवकलज तथा अवकलन करने के नियम ० आगम, लागत, मांग, पूर्ति के फलन तथा विभिन्न प्रकार की लोच ० द्विचर फलन में उच्चिष्ठ तथा निम्नष्ठ के निर्मेय ० बहु-चर फलन, आंशिक अवकलन तथा उनके तात्पर्य ० बहुचर मूल्य फलन में उच्चिष्ठ तथा निम्निष्ठ ० समाकलन ० सारणिक तथा उनकी विशेषताएं युगपत समीकरणों का क्रैमर नियम द्वारा हल ० मैट्रिक्स की धारणा ० सदिश की धारणा और आगत निर्गत विश्लेषण के लिए इसकी भूमिका ० अन्तर समीकरण ० रेखीय प्रोग्रामिंग ० खेल सिद्धांत ० सारणीयां। समीकरण ० तालिका।

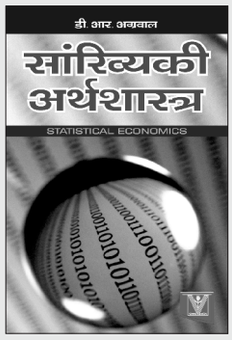

Ist Edition
Reprint 2013
ISBN 978-81-8281-064-7
Price ₹ 350/-
paperback
Size 14×22cm
792 Pages

सांख्यिकी अर्थशास्त्र

डी. आर. अग्रवाल

यह पुस्तक अंग्रेजी संस्करण Quantitative Methods के Statistics भाग का हिन्दी अनुवाद है।

विषय सूची

० **सांख्यिकी में मूल धारणाएं** ०केन्द्रित प्रवृत्ति के माप ० अपकिरण, विषमता, पृथुशीर्षत्व तथा परिघात के माप ० सूचकांक ० सहसंबंध ० प्रतीपगमन ० आंशिक तथा विविध सहसंबंध और प्रतीपगमन ० प्रायिकता ० दैवचर तथा प्रायिकता फलन ० द्विपद, पायसन तथा सामान्य बंटन ० निदर्शन तथा न्यादर्श बंटन ० अनुमानक तथा अनुमान ० परिकल्पना जांच ० वितरण (आसंजन सौष्टव के लिए परीक्षण) ० प्रसरण के विश्लेषण की क्रिया (परीक्षण) ० सारणीयां।

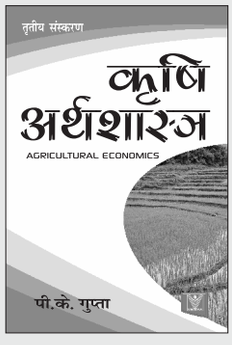

3rd Edition
Reprint 2013
ISBN 978-81-8281-439-4
Price ₹ 275/-
paperback
Size 16×24cm
412 Pages

कृषि अर्थशास्त्र

पी. के. गुप्ता

यह पुस्तक अंग्रेजी संस्करण Agricultural Economics के Mathematics भाग का हिन्दी अनुवाद है।

विषय सूची

० **प्रथम भाग : सामान्य विषय** ० कृषि अर्थशास्त्र : प्रकृति तथा क्षेत्र ० कृषि तथा आर्थिक विकास ० खेत संगठन ० भूमि सुधार ० कृषि में जोखिम तथा अनिश्चितता ० कृषि की अस्थिरता ० कृषि में पूर्ति का उत्तर (जवाब) ० विकासशील देशों में कृषि कीमत नीति ० कृषि विपणन ० कृषि तथा राज्य
द्वितीय भाग : कृषि विकास संबंधित विषय ० शुल्ज का कृषि रूपान्तरण सिद्धांत ० फार्म-प्रबन्ध एवं प्रबन्ध के सिद्धांत ० फार्म दक्षता का माप ० मेलर का कृषि विकास सिद्धांत ० बोसरप का कृषि विकास सिद्धांत ० आर्थिक विकास तथा कृषि का घटता हुआ महत्व ० कृषि और उद्योग की व्यापार शर्तें ० आर्थिक विकास का लुईस मॉडल ० रेनिस-फाई मॉडल ० कृषि क्षेत्र से साधनों की गतिशीलता ० जोतों का आकार और उत्पादकता ० कृषि में उत्पादन फलन ० टोडैरा का ग्रामीण-शहरी स्थानांतरण और बेरोजगारी मॉडल ० मकड़ी जाल प्रमेय ०भात में हरित क्रांति०भारत में कृषि मजदूर०भारतीय कृषि का यंत्रीकरण०कृषि वित्त एवं ग्रामीण ऋणग्रस्तता०क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)०भारत में ग्रामीण बेरोजगारी०ग्रामीण निर्धनता०नियोजन काल में कृषि का विकास०कृषि-जलवायु संबंधी नियोजन०कृषि तथा पर्यावरण०नई कृषि नीति०विश्व व्यापार संगठन तथा भारतीय कृषि कृषि जोत : आकार तथा उप-विभाजन०भारत में खाद्य समस्या०भारत में सामुदायिक विकास तथा पंचायती राज०भारत में कृषि करारोपण०भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली०भारत में कृषि बीमा योजना० भारत में लघु तथा कुटीर उद्योग०भारत में ग्रामीण आर्थिक क्रियाए०समन्वित ग्राम विकास कार्यक्रम

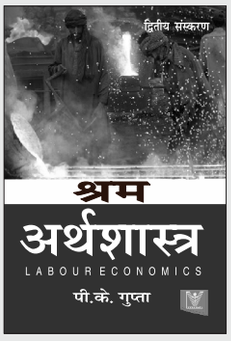

2nd Edition
Reprint 2014
ISBN 978-81-8281-437-0
Price ₹ 250/-
paperback
Size 16×24cm
320 Pages

श्रम अर्थशास्त्र

पी. के. गुप्ता

यह पुस्तक अंग्रेजी संस्करण Labour Economics का हिन्दी अनुवाद है।

विषय सूची

०श्रम अर्थशास्त्र : क्षेत्र तथा प्रकृति ० श्रम की पूर्ति ०श्रम की मांग ० श्रम-बाजार के सिद्धांत ० रोजगार और विकास संबंध ० अल्पविकसित देशों की रोजगार समस्या ० भारत में बेरोजगारी की समस्या भारतीय श्रम नीति ० श्रम की दक्षता विवेकीकरण मजदूरी निर्धारण के सिद्धांत ० मजदूरी की अवधारणाएं ० मजदूरी अन्तर तथा लाभ-अंशभागिता ० मजदूरी नीति : श्रम की कार्यकुशलता तथा उत्पादकता ० बोनस का भुगतान ० श्रमिक संघ ० भारतीय श्रम-संघ आन्दोलन ० औद्योगिक संबंध ० औद्योगिक विवाद एवं औद्योगिक शान्ति के ढंग ० सामूहिक सौदेबाजी तथा प्रबंध में श्रमिकों का सहभाजन ० भारत में सामाजिक सुरक्षा ० भारतीय श्रम विधान ० कल्याणकारी राज्य कीधारणा एवं भारत ० श्रम-कल्याण ० औद्योगिक श्रमिकों की आवास समस्या ० बाल एवं महिला श्रम ० भारत में कृषि एवं ग्रामीण मजदूर ० अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन एवं भारत

eTextbook Available

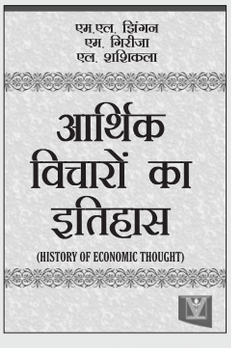

Ist Edition
Reprint 2014
ISBN 81-8281-011-6
Price ₹ 300/-
paperback
Size 14×22cm
520 Pages

आर्थिक विचारों का इतिहास
(History of Economic Thought)

एम. एल. झिंगन, एम. गिरीजा तथा एल. शशिकला

विषय सूची

० आर्थिक विचारों का इतिहास, प्रकृति एवं महत्व ० प्राचीन आर्थिक विचार ० मध्यकालीन आर्थिक विचार ० वणिकवाद ० प्रकृतिवाद ० पैटी, लॉक तथा ह्यूम के आर्थिक विचार ० एडम स्मिथ ० थॉमस रॉबर्ट माल्थस (1766-1834) ० डेविड रिकार्डो (1772-1823) ० परम्परावादी सम्प्रदाय ० क्लासिकल अर्थव्यवस्था की पुनर्व्याख्या ० ऐतिहासिक सम्प्रदाय ० समाजवादी आलोचक ० आरंभिक समाजवादी आलोचक ० कार्ल मार्क्स (1818-1883) ० राज्य समाजवाद ० संस्थानिक सम्प्रदाय : वैबलिन तथा मिचैल ० सीमांत आंदोलन ० नव-परम्परागत अर्थशास्त्र : एल्फ्रेड मार्शल ० पीगू का कल्याण अर्थशास्त्र ० जॉन मेनर्ड केन्ज (1883-1946) : उसके विचार ० जोसेफ एलोइ शूम्पीटर ० नोबेल अर्थशास्त्रियों के योगदान ० भारतीय आर्थिक विचार ० जवाहरलाल नेहरू के आर्थिक विचार।

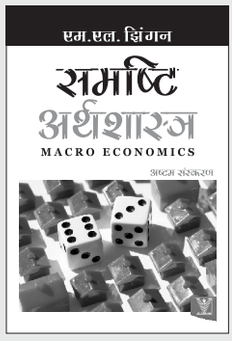

8th Edition
Reprint 2014
ISBN 978-81-8281-377-9
Price ₹ 275/-
paperback
Size 18×24cm
656 Pages

eTextbook Available

समष्टि अर्थशास्त्र
(Macro-Economics)

एम. एल. झिंगन

विषय सूची

०**भाग एक : मूल धारणाएं** ० समष्टि अर्थशास्त्र की प्रकृति तथा क्षेत्र ० मूल धारणाएं

भाग दो : राष्ट्रीय आय लेखांकन ० राष्ट्रीय आय की धारणाएं और माप ० आर्थिक कल्याण और राष्ट्रीय आय ० सामाजिक लेखांकन ० आय का चक्रीय प्रवाह ० राष्ट्रीय आय लेखांकन ०

भाग तीन : समष्टि आर्थिक सिद्धान्त ० रोजगार का क्लासिकी सिद्धान्त ० 'से' का बाजार नियम ० प्रभावी मांग का नियम ० उपभोग फलन ० उपभोग फलन के सिद्धान्त ० बचत फलन ० निवेश फलन ० बचत तथा निवेश समानता ० गुणक की धारणा ० जटिल गुणक ० विदेश व्यापार गुणक ० त्वरण सिद्धांत तथा अतिगुणक ० निवेश के कुछ नये सिद्धान्त ० केन्ज़ीय आय निर्धारण मॉडल ० मजदूरी-कीमत लचीलापन और रोजगार ० रोजगार का केन्ज़ीय सिद्धान्तङ्कपूर्ण मॉडल ० अल्पविकसित देशों पर केन्ज़ के सिद्धान्त की व्यवहार्यता ० क्लासिकी और केन्ज़ीय मॉडलों की तुलना

भाग चार : मुद्रा एवं बैंकिंग ० मुद्रा के कार्य और प्रकार ० मुद्रा की तटस्थता ० मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त और उसके रूपान्तर ० मुद्रा तथा कीमतों का केन्ज़ीय सिद्धान्त ० फ्रीडमैन का मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त का पुन: प्रतिपादन ० पेटिनकन का मौद्रिक सिद्धांत और पीगू प्रभाव ० मुद्रा की मांग ० मुद्रा की पूर्ति ० मुद्रा का तरलता सिद्धान्त ० वाणिज्यिक बैंकों द्वारा साख निर्माण ० केन्द्रीय बैंकिंग: कार्य एवं साख-नियंत्रण ० वित्तीय मध्यस्थ ० गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थ ० ब्याज दर के सिद्धान्त श्च ब्याज दरों का अवधि ढांचा ० वित्तीय बाजार: मुद्रा एवं पूंजी बाजार श्च स्फीति तथा अवस्फीति ० IS-LMमॉडल के विस्तार ० ब्याज दरों का अवधि ढांचा

भाग पांच : व्यापार चक्र तथा आर्थिक वृद्धि के सिद्धान्त ० व्यापार-चक्रों की प्रकृति एवं सिद्धान्त ० गुडविन का व्यापार-चक्र मॉडल ० समष्टि वितरण सिद्धान्त ० हैरॅड तथा डोमर के मॉडल ० आर्थिक वृद्धि का नव-क्लासिकी मॉडल ० संचय का स्वर्णिम नियम

भाग छ: समष्टि अर्थनीति ० समष्टि अर्थनीति के उद्देश्य ० मौद्रिक नीति ० राजकोषीय नीति ० मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों में समन्वय ० मुद्रावाद बनाम केन्ज़वाद ० क्राउडिंग आउट तथा नीति में पश्चताएं ० मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों की प्रभाविता ० विवेकपूर्ण प्रत्याशाओं की परिकल्पना ० नवक्लासिकी समष्टि अर्थशास्त्र ० पूर्ति-पक्ष अर्थशास्त्र ०वास्तविक व्यापार चक्र सिद्धांत ० नव केन्ज़ीय अर्थशास्त्र

भाग सात : खुली अर्थव्यवस्था में समष्टि अर्थशास्त्र ० भुगतान शेष: अर्थ और घटक ० भुगतान शेष का समायोजन तंत्र ० भुगतान शेष नीतियां : आंतरिक तथा बाह्य संतुलन ० विदेशी विनिमय दर ० विदेशी विनिमय दर नीति।

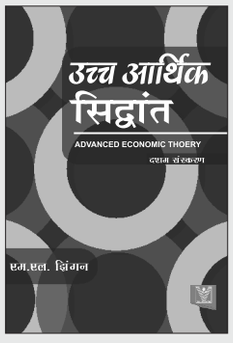

10th Edition
Reprint 2014
ISBN 978-81-8281-430-1
Price ₹ 325/-
paperback
Size 18×24cm
814 Pages

उच्च आर्थिक सिद्धांत (Advanced Economic Theory)

एम. एल. झिंगन

यह पुस्तक विभिन्न व्यष्टि एंव समष्टि अर्थशास्त्रों की धारणाओं, विचारों एंव सिद्धातों की सरल और आलोचनात्मक व्याख्या को प्रस्तुत करती है।

विषय सूची=
भाग एक : मूल धारणाएं
भाग दो : मांग सिद्धांत
भाग तीन : उत्पादन सिद्धांत
भाग चार : वस्तु-कीमत निर्धारण
भाग पांच : साधन-कीमत निर्धारण
भाग छ: सामान्य सन्तुलन और कल्याण अर्थशास्त्र
भाग सात : समष्टि अर्थशास्त्र

3rd Edition
Reprint 2014
ISBN 978-81-8281-379-3
Price ₹ 325/-
paperback
Size 18×24cm
775 Pages

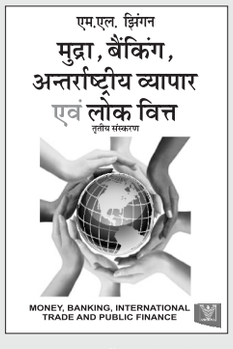

मुद्रा, बैकिंग, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं लोक वित्त (Money, Banking, InternationalTrade and Public Finance)

एम. एल. झिंगन

प्रस्तुत पुस्तक मुद्रा, बैकिंग, रोजगार, अन्तराष्ट्रीय व्यापार एंव लोक वित्त से सबंद्व है। जो बीए, बी कॉम, (Past & Hons.) तथा अन्य कक्षाओं के लिए है।

विषय सूची
भाग एक : मुद्रा
भाग दो: बैंकिंग
भाग तीन : आय, उत्पादन और रोजगार का केन्ज़ीय सिद्धांत
भाग चार : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार
भाग पांच : अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली
भाग छ: भारत में मुद्रा एवं बैंकिंग
भाग सात : लोक-वित्त

6th Edition
Reprint 2014
ISBN 978-81-8281-376-2
Price ₹ 275/-
paperback
Size 18×24cm
530 Pages

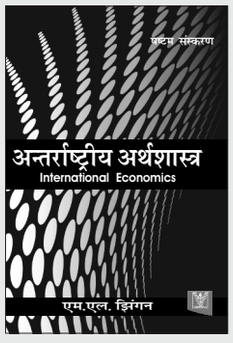

अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र (International Economics)

एम. एल. झिंगन

विषय सूची
० भाग प्रथम : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का विशुद्ध सिद्धांत ० अन्तरक्षेत्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रमुख लक्षण ० अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संतुलन: कुछ विश्लेषणात्मक औजार ० अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का क्लासिकी सिद्धांत ० तुलनात्मक लागतों का क्लासिकी सिद्धांत तथा अल्पविकसित देश ० तुलनात्मक लागत सिद्धांत के संशोधन ० हैबरलर का अवसर लागत सिद्धांत ० मिल का पारस्परिक मांग का सिद्धांत ० हैक्शर-ओलिन का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत या आधुनिक सिद्धांत ० अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तथा साधन कीमतें ० साधन गहनता उलटाव : स्टोप्लर-सैम्युअल्सन तथा रिब्जिनस्की प्रमेय ० तुलनात्मक लागतों और हैक्शर-ओलिन के सिद्धांत की आनुभविक जांच ० हैक्शर-ओलिन सिद्धांत का विस्तार : ० अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में गत्यात्मक घटक ० अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के कुछ नवीन सिद्धांत ० आर्थिक वृद्धि तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार ०तकनीकी प्रगति और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार ० व्यापार के लाभ व्यापार की शर्तें ० व्यापार की शर्तें तथा आर्थिक विकास-दीर्घकालीन ह्रास उपकल्पना भाग द्वितीय : ० वाणिज्यिक नीति मुक्त व्यापार बनाम संरक्षण ० प्रशुल्क ० संरक्षण की प्रभावी दर ० गैर-प्रशुल्क बाधाएं ० आयात ० कोटा राशिपातन विनिमय नियंत्रण ० अन्तर्राष्ट्रीय उत्पादक संघ (कार्टल) ० राज्य व्यापार अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक एकीकरण : कस्टम यूनियन भाग तीन : भुगतान-शेष भुगतान शेष : ० अर्थ और घटक भुगतान शेष के समायोजन तंत्र भुगतान शेष नीतियां : ० आंतरिक तथा बाह्य संतुलन ० आय समायोजन : ० विदेश व्यापार गुणक ० विदेशी विनिमय ० दर विदेशी विनिमय दर नीति ० अवमूल्यन इष्टतम मुद्रा क्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय पूंजी चलन अंतरण समस्या भाग चतुर्थ : अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध विदेशी व्यापार तथा आर्थिक विकास वाणिज्य नीति और आन्तरिक अभिमुख एवं बाह्य अभिमुख नीतियां आर्थिक विकास में विदेशी पूंजी या सहायता निर्यात ० अस्थिरता तथा अन्तर्राष्ट्रीय वस्तु समझौते ० निजी विदेशी निवेश तथा बहुराष्ट्रीय निगम० अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ० विश्व बैंक ० विश्व बैंक ग्रुप ० अन्तर्राष्ट्रीय तरलता ० अन्तर्राष्ट्रीय ऋण समस्या अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली ० यूरोपीय डालर बाजार ० यूरोपीय आर्थिक समुदाय या यूरोपीय संघ ०प्रशुल्क एवं व्यापार संबंधी सामान्य करार (गैट) ० विश्व व्यापार संगठन ० संयुक्तराष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन ० एशियाई विकास बैंक ० दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (दक्षेस)० नई अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था ० भारत में विदेशी व्यापार एवं भुगतान-शेष ० भारत में विदेशी पूंजी।

eTextbook Available

व्यष्टि अर्थशास्त्र
(Micro-Economics Theory)
एम. एल. झिंगन

3rd Edition
Reprint 2014
ISBN 978-81-8281-427-1
Price ₹ 275/-
paperback
Size 18×24cm
644 Pages

विषय सूची

०भाग एक : मूल धारणाएं ० अर्थशास्त्र का क्षेत्र और प्रकृति ० अर्थशास्त्र में कार्यपद्धति–विषयक वाद विषय ० आर्थिक मॉडल ० व्यष्टि तथा समष्टि अर्थशास्त्र ० आर्थिक स्थैतिकी तथा प्रावैगिकी ० संतुलन की धारणा ० कीमत तंत्र का कार्य ० भाग दो : मांग सिद्धान्त ० जोखिम अथवा अनिश्चितता वाले चुनावों का आधुनिक उपयोगिता विश्लेषण ० मांग का प्रकटित (उद्घाटित) अधिमान सिद्धांत ० हिक्स द्वारा मांग सिद्धांत का संशोधन: तर्का सिद्धांत ० नव–क्लासिकी मांग विश्लेषण ० उदासीनता वर्कसंगत आदेश का मांग सिद्धांत ० मांग की लोच ० उपभोक्ता की बचत की व्याख्या ० मांग सिद्धांत में नूतन विकास ० मांग सिद्धांत में बैंडवैगन, स्नॉब तथा वैब्लन प्रभाव ० भाग तीन : उत्पादन सिद्धांत ० उत्पादन फलन : परम्परागत सिद्धांत ० उत्पादन फलन : सममात्रा–समलागत सिद्धांत ० तकनीकी उन्नति और उत्पादन फलन ० भाग चार : वस्तु–कीमत निर्धारण ० लागतों की प्रकृति तथा लोच ० आगम की धारणा ० पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत पूर्ति वक्र ० पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत फर्म तथा उद्योग का संतुलन ० पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत कीमत–निर्धारण ० परिशिष्ट, प्रतिनिधि, सन्तुलन और इष्टतम फर्म ० परस्पर निर्भर कीमतें ० एकाधिकार ० एकक्रेताधिकार तथा द्विपक्षीय एकाधिकार ० एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता ० द्वयाधिकार तथा अल्पाधिकार ० बेन का सीमा कीमत निर्धारण सिद्धांत ० पूर्ण लागत कीमत निर्धारण और लाभ अधिकतमकरण सिद्धांत ० लाभ अधिकतमकरण और पूर्ण लागत कीमत निर्धारण सिद्धांत फर्म के व्यवहार–सम्बन्धी और प्रबंधकीय सिद्धांत ० खेल सिद्धांत तथा कीमत निर्धारण ० आगत–निर्गत विश्लेषण ० रेखीय प्रोग्रामिंग ० *पंचम भाग* साधन–कीमत निर्धारण ० वितरण के सिद्धान्त ० आइलर प्रमेय : संकलन समस्या ० विभिन्न मार्किट स्थितियों में साधन–कीमत निर्धारण ० लगान ० मजदूरी ० ब्याज ० लाभ ० *षष्ठ भाग* सामान्य सन्तुलन और कल्याण अर्थशास्त्र ० सामान्य सन्तुलन सिद्धान्त प्रश्न ० कल्याण अर्थशास्त्र की प्रकृति ० पीगू का कल्याण अर्थशास्त्र और बहिर्भाव ० नया कल्याण अर्थशास्त्र ० सामाजिक कल्याण का अधिकतमकरण ग्रैण्ड उपयोगिता सम्भावना वक्र से सीमित आनन्द बिन्दु तक; प्रश्न ० परेटियन इष्टतम की सीमान्त दशायें इष्टतम साधन–वस्तु की दशा; वस्तु स्थानापन्नता की इष्टतम दशा; साधन–प्रयोग की तीव्रता के लिए इष्टतम दशा; इष्टतम अन्त:कालिक दशा; प्रश्न ० परेटो इष्टतमता और पूर्ण प्रतियोगिता ० सार्वजनिक उद्यमों की कीमत–निर्धारण ० जोखिम तथा अनिश्चितता का अर्थशास्त्र ० खोज, असममित सूचना तथा दक्ष बाजार के सिद्धान्त

eTextbook Available

मौद्रिक अर्थशास्त्र
(Monetary Economics)
एम. एल. झिंगन

4th Edition
Reprint 2014
ISBN 978-81-8281-380-9
Price ₹ 300/-
paperback
Size 18×24cm
632 Pages

विषय सूची

० मुद्रा के कार्य और प्रकार ० मुद्रा का महत्व अथवा भूमिका ० मुद्रा का चक्रीय प्रवाह ० आंतरिक और बाह्य मुद्रा ० मुद्रा की तटस्थता ० मौद्रिक मान ० मुद्रा का परिमाण सिद्धांत और उसके रूपान्तर ० केन्ज़ के मूलभूत समीकरण ० मुद्रा का आय–व्यय सिद्धांत ० मुद्रा तथा कीमतों का केन्ज़ीय सिद्धांत ० फ्रीडमैन का मुद्रा के परिमाण सिद्धांत का पुन: प्रतिपादन ० वास्तविक शेष प्रभाव और पीगू प्रभाव ० मुद्रा की मांग ० मुद्रा की पूर्ति ० मुद्रा का तरलता सिद्धांत ० क्लासिकी और केन्ज़ीय सिद्धांतों में मुद्रा का कार्यभाग ० वाणिज्यिक बैंकों के कार्य ० वाणिज्यिक बैंकों का संगठन और ढांचा ० वाणिज्यिक बैंकों की नीतियां और सिद्धांत ० वाणिज्यिक बैंकों द्वारा साख निर्माण ० केन्द्रीय बैंकिंग : कार्य एवं साख–नियंत्रण ० वित्तीय मध्यस्थ ० गैर–बैंक वित्तीय मध्यस्थ ० ब्याज दर के सिद्धांत ० और फलन: वस्तु और मुद्रा बाजारों का सामान्य संतुलन ० ब्याज दरों का अवधि ढांचा ० वित्तीय बाजार: मुद्रा एवं पूंजी बाजार ० स्फीति तथा अवस्फीति ० मौद्रिक नीति: उद्देश्य, लक्ष्य और संकेतक ० मौद्रिक नीति : उपकरण, प्रकार, नियम और स्वनिर्णय ० मौद्रिक नीति पर क्लासिकी, केन्ज़ीय और आधुनिक मत ० मौद्रिक नीति में समय पश्चता ० मौद्रिक संचारण तंत्र ० मुद्रावादी क्रान्ति ० राजकोषीय नीति ० मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों में समन्वय ० मुद्रावाद बनाम केन्ज़वाद ० क्राउडिंग आउट प्रभाव और उपलब्धता सिद्धांत ० विवेकपूर्ण प्रत्याशाओं की परिकल्पना ० व्यापार–चक्रों की प्रकृति एवं सिद्धांत ० विदेशी विनिमय दर के सिद्धांत ० विदेश विनिमय दर नीति ० भुगतान शेष ० अवमूल्यन ० अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ० विश्व बैंक ० विश्व बैंक परिवार ० अन्तर्राष्ट्रीय तरलता ० अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली ० यूरोपीय मौद्रिक प्रणाली एवं यूरो ० एशियाई विकास बैंक ० भारत की वर्तमान मौद्रिक प्रणाली ० भारतीय मुद्रा बाजार ० भारतीय पूंजी बाजार ० साहूकार और देशी बैंकर ० भारत में सहकारी बैंक ० क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ० भारत में वाणिज्यिक बैंक ० बैंकिंग प्रणाली में वर्तमान प्रवृत्तियां ० वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण ० भारतीय रिजर्व बैंक ० भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति ० भारत में विकास बैंकिंग ० भारत में गैर–बैंक वित्तीय मध्यस्थ ० घाटे का वित्त–प्रबन्धन ० भारतीय अर्थव्यवस्था में स्फीतिकारी प्रवृत्तियाँ ० भारत में मर्चेंट बैंकिंग ० भारत में पारस्परिक निधियां (म्यूचुअल फंड) ० सेबी की भूमिका और उपलब्धियां ० भारत में वित्तीय सुधार।

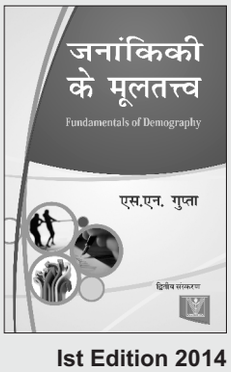

जनांकिकी के मूलतत्त्व
(Fundamental of Demography)
शिव नारायण गुप्त

Ist Edition 2014
ISBN 978-81-8281-508-7
Price ₹ 325/-
paperback
Size 14×22cm
610 Pages

विषय–प्रवेश • जनांकिकी : अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व • जनसंख्या–वृद्धि, जनसंख्या संरचना एवं जनसंख्या वितरण के माप • विवाह एवं वैवाहिक विसर्जन • प्रजननशीलता एवं उत्पत्तिक्रम • मरणशीलता (मृत्युक्रम) एवं अस्वस्थता • जीवन–तालिका एवं निश्चल व स्थिर जनसंख्या माडल • जनसंख्या–प्रक्षेपण • जनांकिकीय समंकों के स्रोत एवं विधियां • भारत में जनगणना : 1971, 1981, 1991 एवं 2001 महत्वपूर्ण तथ्य • भारत में तदर्थ जनांकिकीय सर्वेक्षण • माल्थस का जनसंख्या सिद्धांत एवं नवमाल्थसवाद • जनसंख्या के जैविकीय या नैसर्गिक सिद्धांत • जनसंख्या के सामाजिक–सांस्कृतिक तथा आर्थिक सिद्धांत • अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धांत • जनांकिकीय–संक्रमण का सिद्धांत • जनसंख्या के लागत–लाभ–विश्लेषण एवं निवेश माडल/जनसंख्या एवं आर्थिक संवृद्धि का ऐनके माडल, जैदान–माडल एवं मीडोस माडल • जनसंख्या पर नेल्सन एवं लाइबेंस्टीन के दृष्टिकोण • प्रवसन (देशांतरण) • प्रवसन (देशांतरण) के सिद्धांत एवं माडल • नगरीकरण (शहरीकरण) • भारतीय जनसंख्या का आकार एवं वृद्धि • भारतीय जनसंख्या की संरचना एवं वितरण • भारत में जनसंख्या–विस्फोट • भारत में जनसंख्या–नीति एवं परिवार नियोजन कार्यक्रम • जनसंख्या, गरीबी एवं आर्थिक विकास अथवा आर्थिक विकास में मानव–संसाधनों की भूमिका • जनसंख्या, पर्यावरण एवं आर्थिक विकास • जनसंख्या शिक्षा एवं स्वास्थ्य शिक्षा • लैंगिक–विषमता की समस्या एवं महिला सशक्तिकरण • जनशक्ति नियोजन • गुणात्मक जनांकिकी • मानव विकास (या जीवन गुणवत्ता) के सूचकांक • विश्व जनसंख्या एवं संसाधन • विश्व के प्रमुख देशों की जनसंख्या–प्रवृत्तियां /(यू. एस. ए., ब्रिटेन, जापान, श्रीलंका एवं चीन देशों) • जनसंख्या समंकों का मानचित्रमय प्रदर्शन • सारणियां

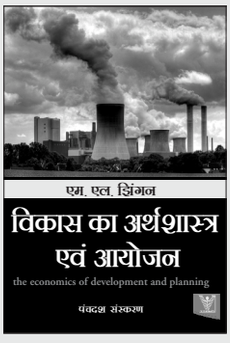

15th Edition
Reprint 2014
ISBN 978-81-8281-402-8
Price ₹ 275/-
paperback
Size 18×24cm
708 Pages

eTextbook Available

विकास का अर्थशास्त्र एवं आयोजन

(The Economics of Development and Planning)

एम. एल. झिंगन

विषय सूची

० प्रथम भाग : मूल समस्याएं ० आर्थिक विकास ० आर्थिक वृद्धि और आय वितरण ० अल्पविकसित देश का अर्थ तथा विशिष्टताएं ० आर्थिक विकास में बाधाएं ० सीमाबद्ध वृद्धि मॉडल ० आर्थिक वृद्धि के कारक : आर्थिक तथा गैर-आर्थिक ० आधुनिक आर्थिक वृद्धि का अर्थ एवं विशेषताएं ० विकास के अन्तर्गत संरचनात्मक परिवर्तन ० विभिन्न वृद्धि कारकों के डेनिसन के अनुमान ० द्वितीय भाग : आर्थिक विकास के कुछ सिद्धांत ० एडम स्मिथ का सिद्धांत ० रिकार्डो का सिद्धांत ० मिल का सिद्धांत ० क्लासिकी सिद्धांत ० मार्क्स का सिद्धांत ० शूम्पीटर का सिद्धांत ० माल्थस का विकास सिद्धांत ० केन्ज़ीय सिद्धांत ० मार्क्स की वृद्धि अवस्थाएं ० रोस्टोव की आर्थिक वृद्धि की अवस्थाएं ० बचत संभाव्य के रूप में अदृश्य बेरोजगारी ० लुइस का श्रम का असीमित पूर्ति सिद्धांत ० फाई-रेनिस का दोहरी अर्थव्यवस्था का सिद्धांत ० स्थानांतरण और बेरोजगारी का हैरिस-टोडैरो मॉडल ० लीबन्स्टीन का क्रांतिक-न्यूनतम प्रयत्न सिद्धांत ० नैल्सन का निम्न सन्तुलन पाश सिद्धांत ० ''बड़ा धक्का'' सिद्धांत ० सन्तुलित वृद्धि का सिद्धांत ० बाह्य मितव्ययिताएं, औद्योगीकरण एवं सन्तुलित वृद्धि ० असंतुलित वृद्धि का सिद्धांत ० द्वैतीय सिद्धांत ० मिर्डल का चक्रीय कार्यकारण का सिद्धांत ० तृतीय भाग : कुछ वृद्धि मॉडल ० हैरॅड तथा डोमर के मॉडल ० वितरण का काल्डर मॉडल ० लाभ तथा वृद्धि का पेसिनेटी मॉडल ० जोन रॉबिन्सन का पूंजी-संचय का सिद्धांत ० मीड का आर्थिक वृद्धि का नव-क्लासिकी सिद्धांत ० सोलो का दीर्घकालीन वृद्धि-मॉडल ० तकनीकी परिवर्तन के मॉडल ० सतत-अवस्था वृद्धि ० फैल्डमैन मॉडल ० महालनोबिस के मॉडल ० चतुर्थ भाग : आर्थिक विकास के घरेलू उपाय ० पूंजी-निर्माण एवं आर्थिक विकास ० परिशिष्ट, प्रदर्शन प्रभाव पर टिप्पणी ० आर्थिक विकास में साधन जुटाव ० आर्थिक विकास में मुद्रा नीति ० आर्थिक विकास में राजकोषीय नीति ० आर्थिक विकास में आय नीति ० आर्थिक विकास में कीमत-नीति ० जनसंख्या एवं आर्थिक विकास ० मानव पूंजी-निर्माण ० अल्पविकसित देशों में मानवीय शक्ति आयोजन ० आर्थिक विकास में उद्यमवृत्ति ० घाटे का वित्त-प्रबन्धन आर्थिक विकास का साधन ० विक्रेय अतिरेक और आर्थिक विकास ० आर्थिक विकास में कृषि और उद्योग की भूमिका ० आर्थिक विकास में राज्य की भूमिका ० पंचम भाग : आर्थिक विकास की अन्तर्राष्ट्रीय विधियां ० अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तथा आर्थिक विकास ० भुगतान-शेष और आर्थिक विकास ० व्यापार की शर्तें तथा आर्थिक विकास ० आर्थिक विकास में विदेशी सहायता ० निजी विदेशी निवेश तथा बहुराष्ट्रीय निगम ० दोहरा अन्तराल मॉडल ० अन्तर्राष्ट्रीय ऋण समस्या ०विश्व व्यापार संगठन ० नई अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था ० षष्ठ भाग : विकास आयोजन की कुछ समस्याएं ० आर्थिक आयोजन ० आयोजन के प्रकार ० आयोजन के आधारभूत सिद्धान्त ० योजना मॉडल ० छाया कीमतें ० परियोजना मूल्यांकन तथा लागत-लाभ विश्लेषण ० परियोजना मूल्यांकन की विधियां अथवा कसौटियां ० आयोजन तकनीकें ० आयोजन तकनीकें ० आयोजन तकनीकें ० तकनीकों का चुनाव ० प्रौद्योगिकी हस्तांतरण ० आर्थिक विकास में निवेश कसौटियां ० आर्थिक आयोजन तथा कीमत तंत्र ० सप्तम भाग : पर्यावरण और विकास ० सततीय विकास ० पर्यावरणीय अपकर्षण ० संसाधनों का संरक्षण०

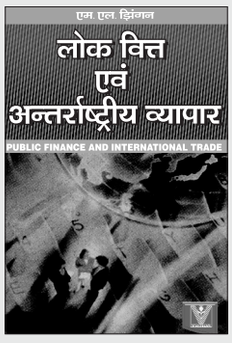

Ist Edition
Reprint 2013
ISBN 81-8281-039-6
Price ₹ 200/-
paperback
Size 14×22cm
428 Pages

लोक वित एंव अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

(Public Finance and International Trade)

एम. एल. झिंगन

विषय सूची

० भाग एक : लोक वित्त ० सार्वजनिक वित्त का अर्थ, विषय-क्षेत्र एवं महत्व ० सार्वजनिक वस्तुएं, निजी वस्तुएं और बाजार विफलता ० अधिकतम सामाजिक लाभ का नियम ० कर एवं कराधान के नियम ० कराधान के सिद्धांत ० करापात, करांतरण तथा कर प्रभाव ० करयोग्य क्षमता ० सार्वजनिक व्यय का अर्थ एवं वर्गीकरण ० सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत ० सार्वजनिक व्यय के नियम, प्रभाव तथा वृद्धि ० सार्वजनिक ऋण ० सार्वजनिक बजट ० घाटे का वित्त प्रबंधन ० राजकोषीय नीति : स्थिरता एवं आर्थिक वृद्धि ० भारतीय संघीय वित्त : केन्द्र-राज्य वित्तीय संबंध ० भारत में केन्द्र और राज्य सरकारों के कर राजस्व तथा व्यय की प्रवृत्तियां

भाग दो : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ० अंतर-क्षेत्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रमुख लक्षण ० तुलनात्मक लागत का सिद्धांत ० हैबरलर का अवसर लागत सिद्धांत ० मिल का पारस्परिक मांग का सिद्धांत ० हैक्शर-ओलिन का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत ० व्यापार से लाभ ० व्यापार की शर्तें ० मुक्त व्यापार और संरक्षण नीति ० प्रशुल्क ० आयात कोटा ० भुगतान शेष : अर्थ और घटक ० विदेशी विनिमय दर ० विदेशी विनिमय दर नीति ० अवमूल्यन ० विदेश व्यापार गुणक ० विदेशी व्यापार तथा आर्थिक वृद्धि ० अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ० विश्व बैंक ० प्रशुल्क एवं व्यापार संबंधी सामान्य करार (गैट) ० विश्व व्यापार संगठन ० अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली ० भारत में विदेशी व्यापार।

eTextbook Available

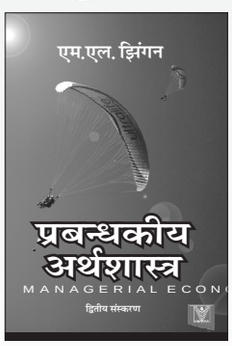

2nd Edition
Reprint 2013
ISBN 978-81-8281-375-5
Price ₹ 275/-
paperback
Size 18×24cm
528 Pages

प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र

(Managerial Economics)

एम. एल. झिंगन

विषय सूची

० प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र की प्रकृति एवं क्षेत्र ० प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र की मूल धारणाएं ० मांग विश्लेषण ० मांग की लोच ० गणनावाचक उपयोगिता धारणा ० उदासीनता वक्र धारणा ० उपभोक्ता की बचत की धारणा ० मांग का प्रकटित (उद्घाटित) अधिमान सिद्धांत ० जोखिम के अन्तर्गत उपभोक्ता चुनाव का सिद्धांत ० मांग पूर्वानुमान ० उत्पादन फलन : परिवर्तनशील अनुपातों और पैमाने के प्रतिफल नियम ० उत्पादन फलन : समोत्पाद विश्लेषण ० लागत सिद्धांत ० लागत नियंत्रण, कटौती और अनुमान ० बाजार का अर्थ एवं प्रकार ० पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत फर्म और उद्योग का संतुलन ० पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत पूर्ति वक्र ० पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत कीमत-निर्धारण ० एकाधिकार के अन्तर्गत कीमत और उत्पादन निर्धारण ० कीमत विभेद ० एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता के अन्तर्गत कीमत और उत्पादन निर्धारण ० अल्पाधिकार के अन्तर्गत कीमत-निर्धारण ० खेल सिद्धांत तथा कीमत निर्धारण ० रेखीय प्रोग्रामिंग तथा इष्टतमीकरण ० आगत-निर्गत विश्लेषण ० फर्म के उद्देश्य ० व्यवहार में कीमत-निर्धारण की विधियां ० वस्तुएं और विविध वस्तुएं ० विविध वस्तुओं की कीमत निर्धारण ० सार्वजनिक उद्यमों की कीमत-निर्धारण ० लाभ और लाभ नीतियां ० लाभ-अलाभ विश्लेषण ० पूंजी बजटिंग ० पूंजी की लागत ० व्यापार-चक्रों की प्रकृति एवं सिद्धांत ० स्फीति ० व्यावसायिक निर्णय निर्माण।

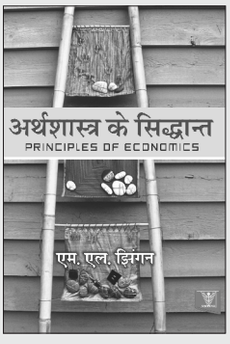

1st Edition 2014
ISBN 978-81-8281-500-1
Price ₹ 350/-
paperback
Size 18×24cm
788 Pages

अर्थशास्त्र के सिद्धान्त

Principles of Economics

एम. एल. झिंगन

यूनिट-1 (UNIT - I) • अर्थशास्त्र की प्रकृति और क्षेत्र • व्यष्टि और समष्टि अर्थशास्त्र • आर्थिक नियमों की प्रकृति • आर्थिक विश्लेषण की विधियां **भाग-I (PART-I)**• स्थैतिक एवं प्रावैगिक अर्थशास्त्र • संतुलन की धारणाएं • गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण • उदासीनता वक्र विश्लेषण • मांग का प्रकटित अधिमान सिद्धांत • उपभोक्ता की बचत की धारणा • मांग विश्लेषण • मांग की लोच **यूनिट-2 (UNIT - II)** • उत्पादन फलन : परिवर्तनशील अनुपातों और पैमाने के प्रतिफल के नियम • उत्पादन फलन : समोत्पाद वक्र विश्लेषण • लागतों की प्रकृति • आगम की धारणा **यूनिट-3 (UNIT - III)** • बाजारों की संरचना • पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत फर्म और उद्योग का संतुलन • पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत कीमत निर्धारण • पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत प्रति वक्र • प्रतिनिधि, संतुलन और इष्टतम फर्में • एकाधिकार के अन्तर्गत कीमत और उत्पादन निर्धारण तथा कीमत विभेद • एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता के अन्तर्गत कीमत और उत्पादन निर्धारण • द्वयाधिकार तथा अल्पाधिकार • खोज, असममित सूचना तथा दक्ष बाजार के सिद्धान्त • आर्थिक संगठन के प्रकार **यूनिट-4 (UNIT - IV)** • वितरण का सीमांत उत्पादकता सिद्धांत • मजदूरी निर्धारण के सिद्धांत • लगान • ब्याज दर निर्धारण के सिद्धांत • लाभ के सिद्धांत **भाग-II (PART-II) समष्टि अर्थशास्त्र** • राष्ट्रीय आय की धारणाएं और माप • आर्थिक कल्याण और राष्ट्रीय आय • आय और व्यय का चक्रीय प्रवाह • रोजगार का क्लासिकी सिद्धांत • 'से' का बाजार नियम • रोजगार का केन्ज़ीय सिद्धांत • केन्ज़ीय आय निर्धारण मॉडल • उपभोग फलन • बचत फलन • निवेश फलन • बचत तथा निवेश समानता • निवेश गुणक • व्यवसायिक संभावनाएं और दीर्घकालिक गतिहीनता • त्वरक • अल्पविकसित देशों पर केन्ज़ के सिद्धांत की व्यवहार्यता • व्यापार-चक्रों की प्रकृति एवं सिद्धांत • स्फीति तथा अवस्फीति **भाग-III (PART-III) मुद्रा एवं बैंकिंग** • मुद्रा की प्रकृति एवं कार्य • मुद्रा का महत्त्व अथवा भूमिका • मुद्रा के मूल्य में परिवर्तनों के माप : सूचकांक • मूद्रा का परिमाणा सिद्धांत • मुद्रा का आय-व्यय सिद्धांत • मुद्रा तथा कीमतों का केन्ज़ीय सिद्धांत • मुद्रा की मांग • मुद्रा की पूर्ति • वाणिज्यिक बैंकों के कार्य • वाणिज्यिक बैंकों के प्रकार, ढांचा और प्रबंधन • वाणिज्यिक बैंकों की नीतियां और सिद्धांत • साख निर्माण ख केन्द्रीय बैंकिंग : कार्य एवं साख-नियंत्रण • भारतीय मुद्रा बाजार • भारतीय रिजर्व बैंक **भाग-IV (PART-IV) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार (** • आन्तरिक तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार • तुलनात्मक लागत का सिद्धान्त • हैबरलर का अवसर लागत सिद्धांत • मिल का पारस्परिक मांग का सिद्धांत • अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ • व्यापार की शर्तें • मुक्त व्यापार और संरक्षण नीति • प्रशुल्क • गैर-प्रशुल्क बाधाएं • आयात कोटा • विनिमय नियंत्रण • भुगतान शेष : अर्थ और घटक • विदेशी विनिमय दर • खुली अर्थव्यवस्था में विदेशी विनिमय दरें • अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष • विश्व बैंक • भारत का विदेशी व्यापार

ECONOMICS (PUNJABI EDITION)

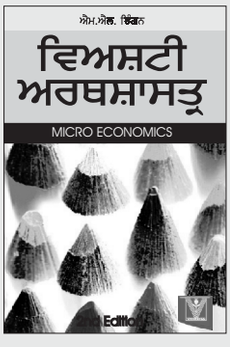

2nd Edition
Reprint 2014
ISBN 81-8281-037-X
Price ₹ 300/-
paperback
Size 14×22cm
832 Pages

Micro-Economics

M.L. Jhingan

This text book is written in Punjabi for M.A. (Eco.), B.A. (Pass/Hons.) of GNDU, Punjabi and Punjab Universities.

CONTENTS :

• **Part I** : Concepts • The Nature and Scope of Economics • Methodological Issues in Economic • Economic Models • Micro and Macro-Economics • Economic Statics and Dynamics • The Concept of Equilibrium • Role of Price Mechanism
• **Part II** : Demand Theory
• **Part III** : Production Theory
• **Part IV** : Product Pricing
• **Part V** : Factor Pricing
• **Part VI** : General Equilibrium and Welfare Economics

Ist Edition
Reprint 2014
ISBN 81-8281-013-2
Price ₹ 300/-
paperback
Size 14×22cm
840 Pages

International Economics

M.L. Jhingan

This text book is written in Punjabi for M.A. (Eco.), B.A. (Pass/Hons.) of GNDU, Punjabi & Punjab Universities.

CONTENTS :

• **Part I** : Pure Theory of International Trade • Distinguishing Features of Inter-regional and International Trade • International Trade Equilibrium : Some Analytical Tools • The Classical Theory of International Trade • The Classical Theory of Comparative Cost and UDCS• Refinements of the Comparative Costs Theory • Haberler's Theory of Opportunity Costs p• Mill's Theory of Reciprocal Demand • Heckscher-Ohlin Theory of International Trade or Modern Theory • International Trade and Factor Prices
• **Part II** : Commercial Policy • Free Trade Versus Protection • Tariffs • Effective Rate of Protection • Non-Tariff Barriers • Import Quotas • Dumping • Exchange Control • International Cartels • State Trading • International Economic Integration : Customs Union
• **Part III** : Balance of Payments
• **Part IV** : International Economic Relations • International Trade and Economic Development • Commercial Policy and Inward-Looking and Outward-Looking Policies • Foreign Capital or Aid in Economic Development • Export Instability & International Commodity Agreements ICAs • Private Foreign Investment and Multinational Corporations • The International Monetary Fund • The World Bank • The World Bank Group • International Liquidity • The International Debt Problem • International Monetary System • The Euro-Dollar Market • The European Community or European Union • General Agreement on Tariffs and Trade (GATT) • World Trade Organisation (WTO) • UN Conference on Trade and Development • Asian Development Bank (ADB) • South Asian Association for Regional Co-operation (SAARC) • New International Economic Order (NIEO) • Foreign Trade and Balance of Payments in India.

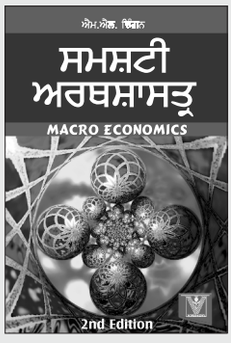

2nd Edition
Reprint 2014
ISBN 81-8281-036-1
Price ₹ 300/-
paperback
Size 14×22cm
868 Pages

Macro Economics Theory

M.L. Jhingan

The text-book is written in Punjabi for M.A. (Eco.), B.A. (Pass/Hons.) of GNDU, Punjabi & Punjab Universities.

CONTENTS :

• Nature and Scope of Macro-Economics • Basic Concepts • Concepts and Measurement of National Income • Economic Welfare and National Income • Social Accounting • The Circular Flow of Income • The Classical Theory of Employment • Say's Law of Markets • The Principle of Effective Demand • The Consumption Function • Theories of Consumption Function • The Saving Function • The Investment Function • Saving and Investment Equality • The Concept of Multiplier • Complex Multipliers • Foreign Trade Multiplier • Theory of Acceleration and the Super-Multiplier • Internal Rate of Return Vs Present Value Criterion • Some New Theories of Investment • Wage-Price Flexibility and Employment • Keynesian Theory of Employment : Complete Model • Income Determination Model : Four Sector • Applicability of Keynes's Theory on Underdeveloped Countries • Comparison of Classical and Keynesian Models • Functions and Types of Money • Friedman's Restatement of the Quantity Theory of Money • Term Structure of Interest Rates • Theories of Interest Rate • The Patinkin Monetary Theory and Pigou Effect • The Demand for Money • The Supply of Money • IS and LM Functions : General Equilibrium of Product and Money Markets • Inflation and Deflation • Nature of Trade Cycles and Theories • The Harrod-Domar Models of Growth • Kaldor Model of Distribution • Joan Robinson's Theory of Capital Accumulation • Meade's Neo-Classical Model of Economic Growth • The Solow Model of Long-Run Growth • Models of Technical Progress • The Neo-Classical Model of Economic Growth • The Golden Rule of Accumulation • Monetary Policy • Fiscal Policy • Crowding Out and Lags in Policy • Monetarist and Keynesian Views on Monetary and Fiscal Policies • Effectiveness of Monetary and Fiscal Policies • Co-ordination between Monetary and Fiscal Policies : Internal and External Equilibrium • The Rational Expectations Hypothesis • Supply-Side Economics • Goodwin's Trade Cycle Model • The New Classical Macro-Economics • Balance of Payments • Adjustment Mechanism of Balance of Payments • Balance of Payments Policies : Internal and External Balance • Foreign Exchange Rate • Foreign Exchange Rate Policy.

TAMIL EDITION

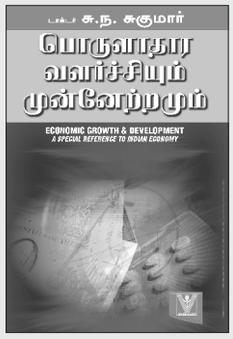

Ist Edition 2005
ISBN 81-8281-015-9
Price₹ 150/-
paperback
Size 14×22cm
476 Pages

Economic Growth and Development

S.N. Sukumar

The text book is written in Tamil for students of M.A. (Eco.), B.A. (Pass/Hons.) of Tamilnadu Universities.

CONTENTS :

• Economic Development and Growth • Characteristics of Developed Countries • Definitions and Characteristics of Under-Developed Countries • Causes of Under-Development • Population and Economic Development • AdamSmith's Model of Economic Growth • Dvid Ricardo's Model of Economic Growth • Karl Marx's Model of Economic Growth • Schumpeter's Model of Economic Growth • Harrod-Domar Models of Economic Growth • Rostows Stages of Economic Growth • Meades Model of Economic Growth • Solow's Model of Economic Growth • Joan Robinson's Model of Economic Growth • Balanced Growth Theory • Unbalanced Growth Theory • Critical Minimum Effort Thesis • Nelson's Low Level Equilibrium Trap • Fei-Rani's Model of Economic Growth • Investment Criteria in Economic Development • Industrial Development Policy of India • New Agricultural Policy of India • Export Promotion and Import Substitution • International Trade and Economic Development • Prebisch Model • Singers Model of Economic Growth • Backwash Effect and Spread Effect of Mirdal • Mahalanobis Model • Third Five- Year Plan Model • Linear Programming • Wage Goods Model or Wage Goods Gap • Keyne's Views on Economic Development • Disguised Unemployment • Utilisation of Surplus Labour—Lewis • Economic Planning • Types of Planning • Measurement of Poverty and Poverty Eradication.

BENGLA EDITION

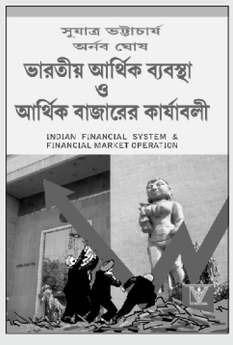

Ist Edition 2010
ISBN 978-81-8281-325-0
Price ₹ 250/-
paperback
Size 14×22cm
480 Pages

Indian Financial System & Financial Market Operation

Bhattacharyya & Ghosh

CONTENTS :

Indian Financial System • Financial System Meaning • Significance and Components • Structure of Indian Financial System • Reserve Bank of India • Organisations Management Functions Credit creation and Control • Monetary Policy • Development Banks • Other Financial Institutions • Insurance organization Objective and Functions UTI Objective • and Functions Interest Rate Structure • Financial Market Operations • Money Market Capital • Market Investors Protection • Financial Services.